संख्या 15011/36/2022-जेयूएस (एयू)/ई5903

भारत सरकार

विधि और न्याय मंत्रालय

न्याय विभाग

विषय: **<u>न्याय विभाग से संबंधित जनवरी, 2022 माह का मासिक सार।</u>**

न्याय विभाग से संबंधित जनवरी, 2022 माह की महत्वपूर्ण गतिविधियां निम्नलिखित हैं।

1. **ई शासन 2020-21 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार**
   - न्याय विभाग की ई कोर्ट परियोजना और भारत के उच्चतम न्यायालय की ई समिति को डिजिटल रूपांतरण के लिए सरकारी प्रक्रिया की रीइंजीनियरिंग में उत्कृष्टता के लिए कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्वर्ण पुरस्कार दिया गया था।
2. **गणतंत्र दिवस परेड 2022 में चित्रमय तस्वीर**
   - राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) ने गणतंत्र दिवस परेड 2022 के दौरान एक चित्रमय तस्वीर का आयोजन किया जिसमें लोक अदालतों के सशक्त कार्य संचालन और इसके सभी के लिए सुगम्य, निश्चित, सस्ता, समान और समय पर न्याय के 5 सिद्धांतों को चित्रित किया गया। समावेशी कानूनी सहायता और न्याय प्रदायगी प्रणाली को दर्शाते हुए **"एक मुट्ठी आसमान"** नालसा की चित्रमय तस्वीर का विषय (थीम) था।
3. **कार्यकारी समूह बैठकें**
   - दूसरी संयुक्त कार्यकारी समूह बैठक दिनांक 11-01-2022 को न्यायिक सहयोग के क्षेत्र में भारत और बांग्लादेश के बीच वर्चुअल रूप में आयोजित हुई।
   - पहली संयुक्त कार्यकारी समूह बैठक दिनांक 13-01-2022 को न्यायिक सहयोग के क्षेत्र में भारत और ट्यूनीशिया के बीच वर्चुअल रूप में आयोजित हुई।
4. **फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (एफटीएससी)**
   - फास्ट ट्रैक कोर्टों की स्थापना करने/चालू करने की स्कीम और व्यय विभाग के पी एफ एम एस के अनुसार निधि जारी करने की संशोधित प्रक्रिया के कार्यान्वयन पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठकें दिनांक 07-01-2022, 17-01-2022, 21-01-2022,24-01-2022 और 27-01-2022 को आयोजित की गई थीं। ये बैठकें प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के साथ अलग-अलग आयोजित की गई थी। सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने दिशानिर्देशों के अनुपालन के लिए अपनी सहमति दर्शाई और उन विभिन्न चरणों के बारे में जानकारी दी जिस पर वे हैं।
   - राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों और उच्च न्यायालयों के साथ निरंतर अनुवर्ती कार्रवाई के परिणाम स्वरूप 27 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में 383 विशिष्ट पोक्सो न्यायालयों सहित 700 फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रचालन में हैं और ऑनलाइन डैशबोर्ड पर प्राप्त इनपुट के अनुसार, दिसंबर 2021 तक इन फास्ट ट्रैक न्यायालयों द्वारा 73627 मामलों का निपटारा किया गया।
5. **ई कोर्ट मिशन मोड परियोजना फेज-।।**
   - माह के दौरान दो और वर्चुअल न्यायालयों को प्रारंभ किया गया और इस प्रकार से 13 राज्यों में प्रचलित वर्चुअल न्यायालयों की संख्या बढ़कर 17 हो गई।

- माह के दौरान निम्नलिखित डिजिटलीकरण पहलों का उद्घाटन किया गया:
- केरल उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार के भीतर उच्च न्यायालय राज्य की समग्र न्यायपालिका के लिए एक ई फाइलिंग मॉड्यूल का उद्घाटन किया गया। उच्च न्यायालय में 6 कोर्ट रूमों को डिजिटल कोर्ट रूम में परिवर्तित किया गया और 2 मजिस्ट्रेट न्यायालयों को पूरी तरह कागज रहित बनाया गया।
- सभी न्यायालयों के लिए ऑनलाइन भुगतान के साथ ईकोर्ट्स प्रणाली गुजरात राज्य में प्रारंभ की गई।
- गुजरात उच्च न्यायालय में जस्टिस क्लॉक इसके ई वर्जन के साथ वर्चुअल जस्टिस क्लॉक के रूप में उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर लांच की गई। गुजरात राज्य के समग्र जिला न्यायपालिका के लिए यह वर्चुअल जस्टिस क्लॉक को भी इस माह के दौरान लांच किया गया।
- वर्चुअल जस्टिस क्लॉक (वीजेसी) की विशेषता कर्नाटक उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर लांच की गई।
- दिनांक 31-12-2021 तक, 25 उच्च न्यायालयों के अंतर्गत जिला अदालतों में 451 ई सेवा केंद्र कार्यात्मक बनाए गए हैं। इन्हीं सेवा केंद्रों के लिए निधि ईकोर्ट परियोजना और राज्य की निधियों दोनों से प्रदान की गई है।
- तीन और उच्च न्यायालय अर्थात झारखंड ,मध्यप्रदेश और पटना उच्च न्यायालयों ने कार्यवाहियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की लाइव स्ट्रीमिंग प्रारंभ की।

**6. टेली लॉ: वंचितों तक पहुंच**

- 80,954 व्यक्तियों को कानूनी सलाह प्रदान की गई।
- 31 जनवरी, 2022 तक दी गई सलाह के कुल मामलों की संख्या 13,62,545 थी।
- 17 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में 91 प्रशिक्षण संचालित किए गए जिनमें 4887 राज्य स्तर के समन्वयकों/जिला प्रबंधकों/ग्रामीण स्तर के उद्यमियों/अर्ध विधिक स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया।

**7. न्याय बंधु (प्रो बोनो कानूनी सेवाएं)**

- इस माह के दौरान न्याय बंधु मोबाइल एप्लीकेशन/वेब पोर्टल के माध्यम से 130 नए वकीलों ने पंजीकरण किया। न्याय बंधु मोबाइल एप्लीकेशन/वेब पोर्टल के तहत कुल 3840 वकील (पुरुष-3364, महिला- 474, ट्रांसजेंडर-02) पंजीकृत हो चुके हैं।
- अब तक न्याय बंधु पैनल के अंतर्गत 14 उच्च न्यायालयों द्वारा 640 प्रो बोनो वकीलों ने नामांकन किया है।

**8. कानूनी साक्षरता कार्यक्रम**

- न्याय विभाग ने इस माह के दौरान पूर्व-गर्भाधान, पूर्व-प्रसव निदान तकनीक (लिंग चयन का निषेध) अधिनियम पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, महिला और बाल विकास मंत्रालय तथा राजस्थान उच्च न्यायालय के विशेषज्ञों ने इन सत्रों को संचालित किया। इस वेबीनार में टेली लॉ कार्यक्रम के अग्रिम पंक्तियों के कार्यकर्ताओं (अर्ध कानूनी स्वयं सेवकों, ग्राम स्तर के उद्यमियों और पैनल वकीलों) सहित 15,000+ प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।
- अरुणाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (एएसएलएसए) ने पूर्वी सियांग जिले में प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और 50 ग्राम वृद्धों और वृद्धाओं लिए ऊपरी सियांग जिले में कानूनी जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।
- जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान संस्थान, मणिपुर ने राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया और 24 जनवरी, 2022 को **"कन्या भ्रूण हत्या"** विषय पर वेबीनार आयोजित की। इस वेबीनार में 44 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।
- राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर, राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश ने "समाज और राष्ट्र निर्माण में बालिका का महत्व" विषय पर ऑनलाइन कहानी लेखन प्रतियोगिता और "बालिका शिक्षा और सरकारी कल्याण नीतियों का संवर्धन" विषय पर ऑनलाइन डिजिटल पोस्टर

निर्माण प्रतियोगिता तथा ऑनलाइन “कविता पाठ प्रतियोगिता” आयोजित की। इन प्रतियोगिताओं में 680 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

xxxxxxxxxxx